कन्हैया मेरा दिल ले गया | by Azhar Ali (Khatudham)

सांवली सूरत मोहिनी तेरी अदाएं है
तिरछी निगाहें दिल का चैन चुराए हैं
क्यों मुझको जलाये मेरा चैन चुराए
कोई जाए ज़रा ढूंढ के लाये
कन्हैया मेरा दिल ले गया
कन्हैया मेरा दिल ले गया

हमने तुमसे ऐसा रिश्ता जोड़ा है
अपना सब कुछ तेरी खातिर छोड़ा है
मेरे सपनो में आये मेरी नींद उड़ाए
कोई जाए ज़रा ढूंढ के लाये
कन्हैया मेरा दिल ले गया .....

दर दर भटका फिर भी कुछ ना पाया है
हार के अन्नू तेरी शरण में आया है
क्यों नखरे दिखाए पल पल तरसाये
कोई जाए ज़रा ढूंढ के लाये
कन्हैया मेरा दिल ले गया .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b2-%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a4%af%e0%a4%be-by-azhar-ali-khatudha/